MAHARSHI DAYANAND SARASWATI UNIVERSITY

AJMER

SYLLABUS

SCHEME OF EXAMINATION
AND
COURSES OF STUDY

FACULTY OF ARTS

Syllabuse

M.A. Previous

Rajasthani

Session 2015-16

एम. ए.

राजस्थानी

एम.ए. राजस्थानी के पूर्वार्द्ध एवं उत्तरार्द्ध में कुल 09 प्रश्न पत्र होंगे जिनमें चार प्रश्न पत्र पूर्वार्द्ध में और पांच प्रश्न पत्र उत्तरार्द्ध में होंगे।

सभी प्रश्न पत्र 100 अंकों के होंगे। प्रश्न पत्रों की समयावधि 3 घण्टे होगी।

नोट : समस्त प्रश्न पत्रों के उत्तर का माध्यम राजस्थानी भाषा होगा।

एम.ए.पूर्वार्द्ध

प्रथम प्रश्न पत्र	:	आधुनिक राजस्थानी काव्य
द्वितीय प्रश्न पत्र	:	आधुनिक राजस्थानी गद्य
तृतीय प्रश्न पत्र	:	राजस्थानी भाषा एवं साहित्य का इतिहास
चतुर्थ प्रश्न पत्र	:	राजस्थानी लोक साहित्य एवं संत साहित्य

एम.ए. उत्तरार्द्ध

प्रथम प्रश्न पत्र	:	मध्यकालीन एवं प्राचीन काव्य
द्वितीय प्रश्न पत्र	:	मध्यकालीन एवं प्राचीन गद्य
तृतीय प्रश्न पत्र	:	काव्य शास्त्र एवं पाठालोचन
चतुर्थ प्रश्न पत्र	:	विशिष्ट साहित्यकार (कोई एक विकल्प)
		(1) ईसरदास (2) महाराजा चतुरसिंह
		(3) जनकवि गणेशलाल व्यास –'उस्ताद'
पंचम प्रश्न पत्र	:	निबंध

एम.ए.पूर्वार्द्ध

प्रथम प्रश्न–पत्र

आधुनिक राजस्थानी काव्य

समय : 3 घंटे

पूर्णांक : 100

अध्ययन क्षेत्र

1. आधुनिक राजस्थानी काव्य परंपरा का अध्ययन
2. आधुनिक काल की महत्त्वपूर्ण रचनाओं का विस्तृत अध्ययन
3. भाव, भाषा एवं शिल्प के बदलते स्वरूप के आधार पर आधुनिक रचनाओं का आलोचनात्मक अध्ययन

पाठ्यपुस्तकें

1. **वीर सतसई** : सूर्यमल्ल मीसण
2. **बादळी** : चन्द्रसिंह
3. **राधा** : सत्यप्रकाश जोशी
4. **लीलटांस** : कन्हैयालाल सेठिया

अंक योजना

व्याख्या – चारों पाठ्य पुस्तकों में से 9X 4 = 36 अंक

आलोचनात्मक प्रश्न : चारों पाठ्य पुस्तकों में से 16X 4 = 64 अंक

प्रथम इकाई

चारों पाठ्यपुस्तकों में से एक – एक सप्रसंग व्याख्या पूछी जायेगी इनमें आन्तरिक विकल्प दिया जायेगा। (प्रत्येक व्याख्या हेतु 9 अंक निर्धारित होंगे) 36 अंक

द्वितीय इकाई

वीर सतसई : सूर्यमल्ल मीसण : आलोचनात्मक प्रश्न (आन्तरिक विकल्प सहित) 16 अंक

तृतीय इकाई

बादळी : चन्द्रसिंह : आलोचनात्मक प्रश्न (आन्तरिक विकल्प सहित) 16 अंक

चतुर्थ इकाई

राधा : सत्यप्रकाश जोशी : आलोचनात्मक प्रश्न (आन्तरिक विकल्प सहित) 16 अंक

पंचम इकाई

लीलटांस : कन्हैयालाल सेठिया : आलोचनात्मक प्रश्न (आन्तरिक विकल्प सहित) 16 अंक

पाठ्यपुस्तकें

1.	वीर सतसई	:	सूर्यमल्ल मिश्रण, (सं.) पतराम गौड, ईश्वरदान आशिया, कन्हैयालाल सहल प्रकाशक : बंगाल हिन्दी मण्डल , कलकत्ता ।
2.	बादळी	:	चन्द्रसिंह, चांद जळेरी प्रकाशन, जयपुर ।
3.	राधा	:	सत्यप्रकाश जोशी, राजस्थानी ग्रंथागार, जोधपुर।
4.	लीलटांस	:	कन्हैयालाल सेठिया, कलकत्ता।

अभिप्रस्तावित ग्रन्थ

1. परम्परा : सूर्यमल्ल मीसण विशेषांक, 'हेमाणी' अंक तथा 'आधुनिक राजस्थानी कविता' अंक
   प्रकाशक : राजस्थानी शोध संस्थान, चौपासनी, जोधपुर।
2. वीर सतसई : डॉ. शम्भूसिंह मनोहर ,स्टूडेण्ट्स बुक कम्पनी, चौड़ा रास्ता, जयपुर।
3. वीर सतसई : (सं.) नरोत्तम स्वामी, राजस्थानी ग्रंथागार, जोधपुर।
4. राजस्थानी कविता : एक विश्लेषण : डॉ श्याम शर्मा : वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।
5. आधुनिक राजस्थानी साहित्य : प्रेरणा, स्त्रोत और प्रवृत्तियां : डॉ किरण नाहटा।
6. राजस्थानी साहित्य की समीक्षा : 'जागती जोत' अंक
   प्रकाशक : राजस्थानी भाषा, साहित्य एवं संस्कृति अकादमी, बीकानेर।

———————————

———————————

एम.ए.पूर्वार्द्ध

द्वितीय प्रश्न–पत्र

आधुनिक राजस्थानी गद्य

समय : 3 घंटे पूर्णांक : 100

अध्ययन क्षेत्र

1. आधुनिक राजस्थानी गद्य परम्परा का अध्ययन
2. आधुनिक काल की महत्त्वपूर्ण रचनाओं का अध्ययन
3. आधुनिक गद्य विधाओं में निबंध एवं कथा साहित्य का विशिष्ट अध्ययन

पाठ्य पुस्तकें

1. ओळूं री अखियातां : डॉ. नेमनारायण जोशी
2. राजस्थानी निबंध संग्रह : चन्द्रसिंह
3. आज री राजस्थानी कहाणियाँ : रावत सारस्वत
4. मांझळ रात : लक्ष्मीकुमारी चूंडावत

अंक योजना

व्याख्या – 9X 4 = 36 अंक

आलोचनात्मक प्रश्न 16X 4 = 64 अंक

प्रथम इकाई

चारों पुस्तकों में से एक–एक सप्रसंग व्याख्या पूछी जायेगी इनमें आन्तरिक विकल्प दिया जायेगा।

(प्रत्येक व्याख्या हेतु 9 अंक निर्धारित होंगें) 36 अंक

द्वितीय इकाई

ओळूं री अखियातां : डॉ. नेमनारायण जोशी : आलोचनात्मक प्रश्न (आन्तरिक विकल्प सहित) 16 अंक

तृतीय इकाई

राजस्थानी निबंध संग्रह : चन्द्रसिंह : आलोचनात्मक प्रश्न (आन्तरिक विकल्प सहित) 16 अंक

चतुर्थ इकाई

आज री राजस्थानी कहाणियाँ : रावत सारस्वत : आलोचनात्मक प्रश्न (आन्तरिक विकल्प सहित) 16 अंक

(केवल चयनित कहानियाँ)

पंचम इकाई

मांझळ रात : लक्ष्मीकुमारी चूंडावत : आलोचनात्मक प्रश्न (आन्तरिक विकल्प सहित) 16 अंक

पाठ्यपुस्तकें

1. ओळूं री अखियातां : डॉ नेमनारायण जोशी : राजस्थानी ग्रंथागार , जोधपुर
2. राजस्थानी निबंध संग्रह : चन्द्रसिंह : राजस्थान साहित्य अकादमी , उदयपुर
3. आज री राजस्थानी कहाणियाँ : रावत सारस्वत : साहित्य अकादमी, नई दिल्ली

   (निर्धारित कहानियां : **मास्टरजी** : करणीदान बारहठ, **गीतां रो बावळियो** : किशोर कल्पनाकान्त,

   भारत भाग्य विधाता : नृसिंह राजपुरोहित, **खजानो** : प्रेमजी प्रेम, **करड़ी आंच** : मनोहर शर्मा,

   बरसगांठ : मुरलीधर व्यास, **संजीवण** : रामेश्वरदयाल श्रीमाळी, **अलेखूं हिटलर** : विजयदान

   देथा, **अमर मिनख** : श्रीलाल नथमल जोशी, **सुकड़ीजता आंगणा** : सांवर दईया।)
4. मांझळ रात : लक्ष्मीकुमारी चूंडावत, राजस्थानी ग्रन्थागार, जोधपुर।

अभिप्रस्तावित ग्रन्थ

1. आधुनिक राजस्थानी गद्य : परम्परा अंक

   प्रकाशक : राजस्थानी शोध संस्थान, चौपासनी, जोधपुर।
2. आधुनिक राजस्थानी गद्य का इतिहास : डॉ रामस्वरूप व्यास, प्रकाशक : प्रवीण प्रकाशन, जोधपुर ।
3. आधुनिक राजस्थानी साहित्य : प्रेरणा, स्त्रोत और प्रवृत्तियाँ : डॉ किरण नाहटा

एम.ए.पूर्वार्द्ध

तृतीय प्रश्न–पत्र

राजस्थानी भाषा और साहित्य का इतिहास

समय : 3 घंटे पूर्णांक : 100

अध्ययन क्षेत्र

1. भाषा एंव लिपि के विकास की परंपरा और सामान्य सिद्धान्त
2. राजस्थानी भाषा के उद्‌भव और विकास परंपरा का विशिष्ट अध्ययन
3. राजस्थानी लिपि – मुड़िया लिपि की जानकारी
4. राजस्थानी साहित्य की युगीन परंपरा का अध्ययन : कालक्रम के अनुसार एवं काव्य परंपरा – धाराओं के अनुसार

इकाई योजना

प्रथम इकाई

भाषा एवं भाषा विज्ञान की परिभाषा , भाषा के अंग , भाषा विकास के कारण , भाषा के विविध रूप – ग्राम्य बोली , बोली, उपबोली , विभाषा , मानक भाषा, भाषा की विशेषताएं (प्रवृत्तियां), भाषा की उत्पत्ति – प्रमुख सिद्धान्तों का परिचय

लिपि – भाषा – लिपि का संबंध , नागरी लिपि – (वर्ण एवं अंक का विकास) नागरी लिपि की वैज्ञानिकता, मुड़िया लिपि : परिचय । 20 अंक

द्वितीय इकाई

वैदिकी, प्राकृत, अपभ्रंश का सामान्य परिचय एवं राजस्थानी के विकास में उनका योगदान, राजस्थानी भाषा की उत्पत्ति एवं विकास, बोली क्षेत्र, प्रमुख–बोलियां और –उनका पारस्परिक अंतर, डिंगल और पिंगल – भाषा अथवा शैली, राजस्थानी भाषा की विशेषताएं – सामान्य एंव व्याकरणिक 20 अंक

तृतीय इकाई

राजस्थानी साहित्य का काल विभाजन , प्रमुख काव्य धाराएं (शैलियां)
आदिकाल : प्रमुख रचनाएं एवं रचनाकार , कालगत विशेषताएं (प्रवृत्तियां) 20 अंक

चतुर्थ इकाई

मध्यकाल : (पूर्व मध्यकाल – उत्तर मध्यकाल) प्रमुख काव्य धाराएं, रचनाएं एंव रचनाकार , कालगत प्रवृत्तियां सगुण एवं निर्गुण भक्ति एवं तत्त्संबंधी सम्प्रदाय। 20 अंक

पंचम इकाई

आधुनिक राजस्थानी – गद्य एवं पद्य साहित्य की प्रमुख विधाएं, नवीन चिंतन के घटक, प्रमुख काव्य – धाराएं, प्रवृत्तियां, रचनाएं एवं रचनाकार । 20 अंक

अभिप्रस्तावित ग्रन्थ

भाषा – विज्ञान	:	भोलानाथ तिवारी : किताब महल, दिल्ली
राजस्थानी भाषा	:	डॉ. सुनीति कुमार चाटुर्ज्या : साहित्य संस्थान, उदयपुर
पुरानी राजस्थानी	:	एल.पी. टैस्सीटोरी (अनु.) डॉ. नामवर सिंह
राजस्थान का भाषा सर्वेक्षण	:	जार्ज ए. ग्रियर्सन (अनु.) आत्माराम जाजोदिया
		प्रकाशक : राजस्थानी भाषा प्रचार सभा, जयपुर
राजस्थानी भाषा और साहित्य–एक परिचय	:	डॉ. मोतीलाल मेनारिया
राजस्थानी भाषा – एक परिचय	:	नरोत्तम दास स्वामी
राजस्थानी सबदकोस (प्रथम खण्ड)	:	(सं.) सीताराम लालस
		प्रकाशक : राजस्थानी शोध संस्थान, चौपासनी, जोधपुर

डिंगल साहित्य	: डॉ. गोवर्द्धन शर्मा
हिन्दी साहित्य का आदिकाल	: आचार्य रामचन्द्र शुक्ल
प्राचीन भारतीय लिपिमाला	: गौरीशंकर हीराचन्द ओझा
राजस्थानी व्याकरण	: नरोत्तमदास स्वामी
मारवाड़ी व्याकरण	: रामकरण आसोपा
राजस्थानी व्याकरण	: (सं) सीताराम लालस, राजस्थानी शोध सस्थान. चौपासनी , जोधपुर।
भाषा और भाषाविज्ञान	: प्रो. रामाश्रय मिश्र एंव नरेश मिश्र
	प्रकाशक : उन्मेष प्रकाशन, 12 सुभाष कॉलोनी, करनाल
नागरीलिपि और हिन्दी वर्तनी	: डॉ. अनन्त चौधरी : बिहार हिन्दी ग्रन्थ अकादमी, पटना
परंपरा (पत्रिका)	: आदिकाल, मध्यकाल, आधुनिक राजस्थानी गद्य एवं पद्य के अंक
	प्रकाशक : राजस्थानी शोध संस्थान, चौपासनी, जोधपुर

एम.ए. पूर्वार्द्ध

चतुर्थ प्रश्न–पत्र

राजस्थानी लोक साहित्य एवं संत साहित्य

समय : 3 घंटे पूर्णांक : 100

अध्ययन क्षेत्र

1. लोक साहित्य के सन्दर्भ में लोक का अर्थ, परिभाषा, तत्त्व , लोक मानस का स्वरूप एवं विशेषताएं
2. लोक साहित्य का सामान्य परिचय एवं विधाओं के अनुसार वर्गीकरण
3. राजस्थानी लोक साहित्य का अध्ययन एवं वर्गीकण के आधार
4. राजस्थानी लोक कथा ,लोकगीत, एवं लोकगाथा का विशिष्ट अध्ययन
5. राजस्थानी लोक देवी – देवताओं का परिचय
6. राजस्थान के प्रमुख संतों एवं संत–सम्प्रदायों का परिचय

अंक योजना 20X 5 = 100 अंक

प्रथम इकाई

लोक साहित्य : लोक एवं लोक मानस : परिचय, परिभाषा , लोकतत्त्व –

एक प्रश्न (आंतरिक विकल्प सहित) 20 अंक

द्वितीय इकाई

लोक साहित्य : सामान्य परिचय एवं वर्गीकरण – लोक साहित्य एवं अभिजात्य साहित्य,

लोक साहित्य का क्षेत्र विस्तार, लोक साहित्य का वर्गीकरण एवं उनके आधार –

एक प्रश्न (आंतरिक विकल्प सहित) 20 अंक

तृतीय इकाई

लोक कथा, लोक गीत, लोक गाथा, – एक प्रश्न (आंतरिक विकल्प सहित) 20 अंक

चतुर्थ इकाई

राजस्थानी लोक देवी–देवता – एक प्रश्न (आंतरिक विकल्प सहित) 20 अंक

पंचम इकाई

राजस्थानी संत एवं सन्त– सम्प्रदायों का परिचय – एक प्रश्न (आंतरिक विकल्प सहित) 20 अंक

अभिप्रस्तावित ग्रन्थ

राजस्थानी लोक साहित्य का सैद्धान्तिक विवेचन	: डॉ. सोहनदान चारण
राजस्थानी लोक नाट्य परम्परा एंव प्रवृत्तियां	: डॉ. महेन्द्र भानावत
लोक साहित्य विज्ञान	: डॉ. सत्येन्द्र
लोक साहित्य की भूमिका	: डॉ. कृष्णदेव उपाध्याय
भारतीय लोक वाङ्मय	: डॉ. श्याम परमार
लोक धर्म	: वासुदेवशरण अग्रवाल
लोक साहित्य (व्याख्यान)	: झवेरचन्द्र मेघाणी
राजस्थानी लोक साहित्य	: नानूराम संस्कर्ता
तेजाजी	: डॉ. कन्हैयालाल सहल
तेजाजी	: डॉ. महेन्द्र भानावत
मध्यकालीन भारतीय संस्कृति	: गौरीशंकर हीराचन्द ओझा
नाथ सम्प्रदाय	: डॉ. हजारी प्रसाद द्विवेदी
राजस्थानी लोक साहित्य एवं संस्कृति	: डॉ. नन्दलाल कल्ला, प्रकाशक : राजस्थानी ग्रंथागार जोधपुर।